

एम्स में बाल हृदय प्रत्यारोपण पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

भोपाल (काप्र)। एम्स के कार्यपालक निदेशक प्रो. अजय सिंह के मार्गदर्शन में, सफल वयस्क हृदय प्रत्यारोपण के बाद, बाल हृदय प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक कौशल और अद्यतन जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस व्याख्यान में नीदरलैंड के पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. पी.सी. (पीटर) प्रो. वैन डे वूस्टिजीन ने बाल हृदय प्रत्यारोपण, रॉस प्रक्रिया और न्यूनतम इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और छात्रों ने भाग लिया और पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी एवं हृदय प्रत्यारोपण में नवीनतम प्रगति पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। अपने व्याख्यान के दौरान, प्रो. वैन डे वोस्टिने ने रॉस प्रक्रिया पर प्रकाश डाला, जो युवाओं में महाधमनी वाल्व रोग के उपचार के लिए एक उन्नत शल्य प्रक्रिया है। उन्होंने न्यूनतम इनवेसिव



कार्डिएक सर्जरी के लाभों को भी रेखांकित किया। इसके अलावा, उन्होंने बच्चों के हृदय प्रत्यारोपण में अपनी विशेषज्ञता साझा की और बताया कि कैसे विशेष शल्य चिकित्सा द्वारा रोगियों के परिणामों में सुधार कर सकते हैं।

प्रो. वैन डे वूस्टिजीन ने उन्नत शल्य तकनीकों पर चर्चा करने के साथ-साथ छात्र विनिमय कार्यक्रमों पर भी बात की, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और चिकित्सा पेशेवरों के बीच ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने एम्स भोपाल के कार्डिएक सर्जरी विभाग

के साथ बातचीत की और सर्जिकल नवाचारों व हृदय प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एम्स भोपाल के निरंतर योगदान पर विचार साझा किए। प्रो. वैन डे वूस्टिजीन द्वारा साझा की गई जानकारी से एम्स की पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी और बाल हृदय प्रत्यारोपण में क्षमताएं अधिक मजबूत होंगी। इस विशेष सत्र में डॉ. योगेश निवारिया (कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख), डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी, डॉ. आदित्य सिरौही और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

के साथ बातचीत की और सर्जिकल नवाचारों व हृदय प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एम्स भोपाल के निरंतर योगदान पर विचार साझा किए। प्रो. वैन डे वूस्टिजीन द्वारा साझा की गई जानकारी से एम्स की पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी और बाल हृदय प्रत्यारोपण में क्षमताएं अधिक मजबूत होंगी। इस विशेष सत्र में डॉ. योगेश निवारिया (कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख), डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी, डॉ. आदित्य सिरौही और अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे।

केन्द्रीय संस्कृत विवि के प्राध्यापक थाईलैंड में प्रस्तुत करेंगे शोध-पत्र

भोपाल। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के चार प्राध्यापक थाईलैंड में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार में शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। यह दुर्लभ संयोग है कि किसी एक ही संस्थान से एक साथ चार प्राध्यापकों का इस प्रकार अखिल भारतीय स्तर पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार हेतु चयन हुआ है।

इन सभी प्राध्यापकों, डॉ संगीता गुर्देचा, डॉ कृष्णकांत तिवारी, डॉ विवेक कुमार सिंह एवं डॉ मंजु सिंह के शोध पत्रों का इस सेमिनार हेतु अखिल भारतीय स्तर पर चयन हुआ है। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में बौद्ध दर्शन का मानवीय निहितार्थ , शारीरिक शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर बौद्ध दृष्टिकोण, मानसिक स्वास्थ्य के संदर्भ में बौद्ध मनोवैज्ञानिक दृष्टि तथा द



रेलेवेंस आफ तथा बुद्धिस्ट टीचिंग टूडे शीर्षक के शोध-पत्र यह प्राध्यापक प्रस्तुत करने जा रहे हैं। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो रमाकांत पाण्डेय ने समस्त प्राध्यापकों की उपस्थिति में इन प्राध्यापकों का अभिनंदन किया एवं विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए शुभकामनाएं दीं।

बच्चों को प्रकृति से जोड़ने के लिए लॉन्च किया गो लैब

भोपाल। मुंबई की तेज रफ्तार और व्यस्त शहरी जीवन के बीच, एक हरा-भरा आश्रय उभर कर आया है जो बच्चों को प्रकृति के अद्भुत संसार से जोड़ने का काम करेगा। म्यूज़ियम ऑफ सॉल्यूशन्स ने गो लैब का अनावरण किया है। एक अनुठी, अनुभवात्मक हरित जगह, जहां बच्चे अपने आसपास के इको सिस्टम और जीवन को बनाए रखने वाली जटिल कड़ियों को समझ सकते हैं। यहां, हाथों से करने वाली गतिविधियों के माध्यम से, बच्चे जैव विविधता, इको-फ्रेंडली खेती, जल संरक्षण और कचरा प्रबंधन के बारे में सीखते हैं और यह समझते हैं कि स्थानीय वनस्पतियां पक्षियों, मधुमक्खियों और अन्य महत्वपूर्ण जीवों के लिए कितनी आवश्यक हैं। मुंबई के बीचों-बीच प्रकृति का स्पर्श - म्यूज़ियम ऑफ सॉल्यूशन्स की छत पर स्थित गो लैब एक हैंड्स-ऑन स्पेस है, जहां बच्चे अनुभवों के माध्यम से प्रकृति और स्थिरता के बारे में सीखते हैं। म्यूज़ियम ऑफ सॉल्यूशन्स के उद्देश्य-निर्देशित, बाल-केंद्रित शिक्षा मिशन को आगे बढ़ाते हुए, गो लैब पर्यावरण के प्रति एक गहरी समझ विकसित करता है।

यूनिटी बैंक ने मप्र में किया विस्तार

भोपाल। नये जमाने की बैंक यूनिटी स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड (यूनिटी बैंक) ने भारत के दिल, यानि मध्यप्रदेश में अपनी उपस्थिति को बढ़ाया है। इसके तहत बैंक ने भोपाल में 2 नई शाखाओं का उद्घाटन किया है।

यूनिटी बैंक का यह विस्तार राज्य में व्यवसाय के लिये बढ़ रहे अवसरों का लाभ उठाने के लिये हुआ है। इसमें ग्राहकों को जमा राशि पर आकर्षक ब्याज दरें और उद्यमियों तथा आम लोगों को तैयार वित्तीय समाधानों की पेशकश की जायेगी। यह शाखाएं भोपाल की त्रिलंगा और अरेंरा कॉलोनी में खोली गई हैं। यूनिटी बैंक वरिष्ठ नागरिकों के लिये 9.50 प्रतिशत प्रतिवर्ष की आकर्षक दर पर सावधि

विज्ञान संग्रहालय में पक्षी गणना कार्यक्रम सपन्न

भोपाल। क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, एवं भोपाल बर्ड्स स्वयं सेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को परिसर पक्षी गणना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस पक्षी गणना में लगभग 33 प्रजाति के पक्षियों को परिसर में देखा गया जिनमें से ग्रे हार्नबिल, रोज रिंग पैराकीट, ओरिएंटल व्हाइट आई, पर्पल सन बर्ड, बूटेड वार्बलर, जंगल बैबलर, रेड वेस्टेड बुलबुल, लॉफा डव, स्मॉल मिनीवेट, कॉमन आयोरा, ग्रेटर कोकल, शिकरा , गोल्डन ओरियल , रिवर टर्न, इण्डियन रॉबिन, पाइड मैना, हाउस क्रो, लॉर्ज बिल्ड क्रो, कॉपर स्मिथ बाबेट, ब्लैक ड्रोंगो, ऐंशी परिनिया प्रीनिया, टेलर बर्ड, डस्टी क्रेग मार्टिन, ग्रे हेडेड केनरी फ्लाई कैचर, रेड बैटल्लेड लैपविंग आदि पक्षी प्रमुखता से दिखायी दिये।

पक्षी गणना के दौरान इण्डियन रॉक पिजन, पर्पल सन बर्ड, ग्रीन बी ईटर एवं



जंगल बैबलर की सर्वाधिक संख्या पायी गयी। प्रवासी पक्षियों में एशियन ब्राउन फ्लायकैचर, ब्लैक रेड स्टार्ट एवं लार्ज कार्मारेट मुख्य रूप से दिखायी दिये। संकटग्रस्त प्रजातियों में रिवर टर्न को चिन्हित किया गया। पक्षी गणना के दौरान संग्रहालय की कार्यालय अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक-डी डॉ. बीनिष रफ्त; वैज्ञानिक-सी एवं समन्वयक श्री मानिक लाल गुप्त; संग्रहालय के कर्मचारीगण के साथ-साथ भोपाल बर्ड्स स्वयं सेवी संस्था से डॉ. संगीता राजगीर, एवं मो. खालिक पक्षी विशेषज्ञ उपस्थित थे।

केरल के हिंदी साहित्यकारों का दल भोपाल पहुंचेगा

भोपाल। रवींद्रनाथ टैगोर विवि के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केन्द्र के आमंत्रण पर केरल के हिंदी साहित्यकारों का 20 सदस्यीय दल आज भोपाल आ रहा है। इस दल में केरल के प्रसिद्ध हिंदी-मलयाली साहित्यकार डॉ. आरसू, मलयालम-हिंदी के वरिष्ठ अनुवादक एवं लेखक डॉ. के. सी.अजयकुमार सहित अन्य लेखक और अनुवादक भी शामिल हैं। ये साहित्यकार 19 से 21 फरवरी तक विवि द्वारा आयोजित वनमाली कथा सम्मन समारोह में भाग लेंगे। कथा यात्रा और मध्यप्रदेश के कथाकारों की रचनाओं का मलयाली अनुवाद मप्र कथकल का भी लोकार्पण किया जाएगा।

सूडोकु नवताल- 7337									
***** मध्यम									
8		4	3	9	7	5			6
3					2				
		7	6	5					4
9	6		5			1			7
5		1	4		9	8			2
4			8				5	3	
2				6	1	4			
			7						8
7		9	8	3	5	6			1

सूडोकु नवताल - 7336 का हल

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

अष्टयोग - 6943									
6	1		7		5				
	33	3	35	1	27				
4						1	2		
3	35	2	37	7	32				
	4						1		
2	29	1	33	4	30	5			
1			7					4	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्गों में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

7	5	1	3	6	4	2
6	38	6	32	1	30	7
2	4	7	5	3	6	1
1	25	2	37	4	32	5
5	1	3	6	7	2	4
3	26	4	38	5	36	6
4	1	5	6	2	7	3

काकुरो पहेली - 7016									
			16	3			24	17	
		11					16		
	14					13		15	
8					29				
				7					4
11					11			9	
				6				6	
15							8		
	10	24				23		10	6
12					18				
	16			20				5	
			17					3	
		30						7	
								4	

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः
1 2 3 4 5
1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 7015 का हल									
9	3	24	8	30	11		10	3	
1	8		6	2		4	3	1	
2	9		16	7	9		24	4	2
	7	8	9			7	1		
		14	6	8		13	8	2	3
3	2	9		10		8	9		2
1	3		3	6			4	1	3
2	4		10	3	1	9		11	7
7		1	2	4		17	9	8	
	3		1	2		16	7	9	

शब्दजाल - 7943

उ जा ला ह दा प उ झि सा झ आ
ज अ ल म आ मो ल ब्ब तें शा अ
अं इ बु दि ल दा ज ढ़ र ला व
ज कु उ ल बे ला लू उ त रा ना
स ति श द व दा ल उ ग वी ट
री रं ल चु बि लि र्त क्ष दा प च
जो उ ल के गा ला म उ कौ र ले
श ता जी स त क व क ग श ता
म व मि न व न ज सा शा जू द
द ला ल म ह उ ठ ना स प ना
थो औ र प्यार उ ल झ न र क

शब्दजाल में 'उ' से शुरू होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उकसाना, उतावला, उलझन, उठना, उजाला, उड़ीसा, उलजलूल, उतराना, उदबिलाव, उदारता

शब्दजाल - 7942 का हल

क	म	रे	दि	गु	ला	रा	ल	क	ल	क
बू	खु	क	दू	ई	जी	कि	शि	या	इ	जी
त	पी	जा	ले	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे	
व	र	रा	जा	की	ला	कि	यो	गु	म	
ल	इ	वि	गो	ग	प	ला	जी	ह	जी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	कि
क	रि	ल	र	क		ह	त्वा	ल	वि	क
र	क	ल	श		न	ज	की	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	शि	टि	जो
वां	क	र	वृ	त	व	ले	स	क	म	र

शब्द पहेली - 8404									
1	2	3	4	5					
6	7	8	9						
10	11								
12	13								
14	15		16	17					
			18	19					
20			21	22		23			
			24	25		26			
27				28					

बाएँ से दाएँ

- सुरक्षित, संरक्षित-4
- असुक्ता, विज्ञासा-3
- पिता के पिता-2
- ममस्कार, प्रणाम-3
- आखेट मंच-3
- आत्मबलिदानी-5
- लेट, त्वरती-3
- रहस्य, भेद-2
- जी, चित्त-2
- बुझवा-3
- मन का मिलना-5
- नल, टोंटी-3
- देवर्षी, देवमुनि-3
- गुप्तचर, वासुस-2
- गमन, विदा होगा-3
- ईश्वर, रव-4

ऊपर से नीचे

- सदचरित्रता-3
- इच्छा, मर्जी-2
- अंधकार, अंधेरा-3
- धार्मिक आयोजन स्थल तक मंगल कला से जाना-5
- मोल, कीमत, दर-2
- नरक के समान-5
- बेकार, अयोग्य-3
- बुआई करना-2,3
- विश्वविजेता, संसार जीतने वाला (उर्दू-5)
- प्रणाम, नमस्कार-3
- जल में हटने वाला-4
- खर्ग का विलोपन-3
- छोटी सवारी गाड़ी-2
- कीमत, भाव-2

शब्द पहेली - 8403 का हल									
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र
न	र	न	र	न	र	न	र	न	र

फिल्म वर्ग पहेली - 6834									
		1		23		4	5		6
7				8					
		9	10			11		12	
	13					14		15	
16		17		18				19	
					21	22			23
	24			25				26	
27		28	29		30		31		
32						33			
			34					35	

- बायें से दायें:-
- अक्षय खन्ना, सोनाली की 'ओ गोरी आभा' गीत वाली फिल्म-3
 - 'कहाँ से आई रानी' गीत वाली अजय, काजोल की फिल्म-2,2
 - आमिर, रानी मुखर्जी की 'आँखों से तुने' गीत वाली फिल्म-3
 - राजेश वाली 'हम दोनों' में हेमा के साथ दूसरी नायिका कौन थी?-2
 - 'हिना' की पाक नायिका?-2
 - धर्मेन्द्र, हेमा की 'प्यार के इस खेल में' गीत वाली फिल्म-3
 - 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली राशिकपूर, शबाना की फिल्म-3
 - जैकी, अनिल, पूनम की 'हर कस अपना' गीत वाली फिल्म-2
 - 'फिलहाल' में नायिका 'रेखा' की भूमिका किसने की है?-2
 - सनीलदत्त, रीनायाय, आशा की 'जलता है जिया' गीतवाली फिल्म-2
 - 'आ तेरी तसवीर' गीत वाली देवन्द, मधुबाला की फिल्म-3
 - अनिल कपूर, पद्मिनी की 'वो सात दिन' के निर्देशक कौन थे?-2
 - संजयदत्त, सलमान, खीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-2
 - 'दिल दीवाने का' गीत वाली नसीर, धर्मेन्द्र, पल्ल